CHETANA
International Journal of Education
(CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))
Impact Factor
SJIF 2023 - 7.286
शोध-पत्र

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Received 08.01.2023 | Reviewed 16.01.2023 | Accepted 29.01.2023

कोरोना कालः शिक्षा और स्माइल योजना

* डॉ सोनू गौड
**प्रो. वन्दना गोस्वामी

मुख्य शब्द - *स्माइल प्रोग्राम, लॉकडाउन, ऑनलाइन शिक्षा, स्मार्टफोन, ई–कंटेन्ट आदि.*

शिक्षा जीवन का एक महत्पूर्ण अंग है। शिक्षा संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है सीखना व सीखाना। शिक्षा मनुष्य को बौद्धिक रूप से तैयार करती है, पारंपरिक रूप से हम शिक्षा विद्यालयी कक्षा में ग्रहण करते है। 24 मार्च 2020 को कोरोना वाइरस के आने के बाद देशभर में लॉकडाउन व विद्यालय बंद हो जाने के बाद सरकार के सामने एक बड़ी समस्या हो गयी कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है। राजस्थान सरकार ने शिक्षा प्रक्रिया को विधिवत रखने के लिए ऑनलाइन शिक्षा में 'स्माइल प्रोग्राम' को शुरू किया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य विद्यार्थी की शिक्षा की निरन्तरता व मूल्यांकन प्रक्रिया को बनाएँ रखना था।

राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने कोरोना वायरस के चलते 'सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग इंगेजमेंट' स्माइल (SMILE) योजना का संचालन किया। इस प्रोग्राम के माध्यम ग्रामीण व शहरी दोंनो क्षेत्र के विद्यार्थियों को घर बैठे ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध करवायी गई। इस प्रोग्राम की जानकारी सरकार ने शिक्षा विभाग से 2 नवंबर 2020 को साझा की।

इस स्माइल प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षा विभाग ने 3.5 लाख विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करवायी। शिक्षा विभाग ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ 13 अप्रैल 2020 को किया। इस प्रोग्राम में कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जोड़कर उनको निःशुल्क मोड्यूल उपलब्ध करवाना, जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट और स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है उनको शिक्षक द्वारा उनके घर जाकर शिक्षण कार्य व उनकी शिक्षण सम्बंधित समस्याओं को दूर करवाना शामिल है।

शिक्षकों की मदद से यह स्माइल प्रोग्राम आसानी से संचालित हो पाया। इस संदर्भ में शिक्षा विभाग ने कहा–''स्कूल बंद होने की वजह से विद्यार्थियों को निरंतर शिक्षा से जुड़े रखने के लिए यह स्माइल प्रोग्राम शुरू किया। इससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा साथ ही समय–समय पर उनका मूल्यांकन भी किया जाएगा।''

स्माइल कार्यक्रम को विभिन्न चरणों में संपन्न किया गयाः–

स्माइल 2.0

इस कार्यक्रम को शिक्षा विभाग द्वारा ''आओ घर से सीखें'' के अंतर्गत चलाया गया। इस योजना का प्रारंभ 2 नवंबर 2020 को प्रारंभ किया गया। इस प्रोग्राम के तहत शिक्षक द्वारा भेजे गए ई–कंटेन्ट के साथ विद्यार्थियों का जुड़ाव हो, इसके लिए उन्हें निरंतर गृह कार्य प्रदान करना व उनका मूल्यांकन करना।

स्माइल 3.0

इस योजना का प्रारंभ शिक्षा विभाग द्वारा 21 जून 2021 (सत्र 2020–21) के लिए किया गया। कोरोना काल के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की न्यूनता को कम करने के लिए विद्यार्थियों को निरंतर विषय वस्तु उपलब्ध करवाना तथा मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रश्नोत्तरी द्वारा सतत् मूल्यांकन करना ।

स्माइल प्रोग्राम में संचालित प्रक्रियाएँ

1. व्हाट्सएप ग्रुप का निर्माण

इस प्रोग्राम के तहत सभी कक्षा–शिक्षकों द्वारा अपने फोन में व्हाट्सएप ग्रुप को बनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों, कक्षा–शिक्षक, प्रिंसिपल को जोड़ना आवश्यक है, ग्रुप को नवीन सत्र के साथ अपडेट करना।

2. ग्रुप में अध्ययन सामग्री भेजना

स्माइल प्रोग्राम में कक्षावार डिजिटल सामग्री वितरण या भेजना। यह सामग्री सुबह 8:15 पर कक्षावार व ग्रुप पर भेजी जाती थी।

3. कक्षा कार्य व विद्यार्थी पोर्टफोलियो का निर्माण

1. स्माइल प्रोग्राम के अंतर्गत प्रत्येक सोमवार को कक्षा वार व स्तर वार कक्षा 1 से 5 तक के ग्रुप में कक्षा कार्य की वर्कशीट साझा की जाती थी। प्रत्येक सप्ताह में एक बार चार विषय की वर्कशीट भेजी जाएगी।
2. कक्षा 6 से 12 के लिए ग्रुप पर कक्षा कार्य वर्कशीट साझा की जाएगी। यह सप्ताह में दो

बार भेजी जाएगी।

4. प्रश्नोत्तरी(ग्रुप आधारित)

विद्यार्थियों को ग्रुप पर साझा की गई सामग्री के आधार पर प्रत्येक शनिवार को ग्रुप पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाता था जिन विद्यार्थियों के पास डिजिटल पहुंच नहीं थी उनको ग्रुप पर उपलब्ध सामग्री को प्रिंट करके विद्यार्थियों के घर पर उपलब्ध करवाया जाती थी। उसे विद्यार्थी पूर्ण करके शिक्षक रिकॉर्ड में रखता, साथ ही परिणाम के आधार पर आंकलन किया जाता था।

5. शिक्षक विद्यार्थी कनेक्ट

स्माइल योजना के अंतर्गत शिक्षकों को फोन कॉल या व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए सप्ताह में कम से कम एक बार प्रत्येक विद्यार्थी से जुड़ना आवश्यक था, साथ ही सभी विद्यार्थियों के फोन नंबर शाला दर्पण पर अपडेट करना और शिक्षण सामग्री को विद्यार्थियों के साथ साझा करना था। विद्यार्थियों से अगले सप्ताह जोड़ने से पहले शिक्षक अपने कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य को लक्ष्य करना। जिन विद्यार्थियों के पास डिजिटल पहुंच नहीं थी उनसे शिक्षक गण उनके घर जाकर समय पर वर्कशीट को हल करवाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

6. डोर टू डोर प्रक्रिया

शिक्षण कार्य की निरंतरता को बनाए रखने के लिए स्माइल योजना के अंतर्गत कुछ विद्यार्थी जो ग्रामीण क्षेत्र के थे, उनके पास स्मार्टफोन या इंटरनेट आदि की सुविधा ना होने के कारण शिक्षकों ने उनके घर जाकर शिक्षण कार्य करवाया व समय–समय पर उनके द्वारा कक्षा कार्य को भी पूरा करवाया और कोरोनाकाल में भी शिक्षण कार्य से विद्यार्थी जुड़े रहे।

स्माइल योजना के निर्देश

शिक्षण कार्य की निरंतरता को बनाए रखने के लिए कुछ निर्देशों की पालना करना अनिवार्य था, जिससे शिक्षण कार्य बाधित न हो–

1. सभी अध्यापक स्माइल प्रोग्राम को पूर्ण निष्ठा से सम्पन्न करेंगे।
2. शिक्षक सभी बच्चों को गृहकार्य देंगे और समय–समय पर उनका मूल्यांकन करेंगे।
3. कक्षा–1 से कक्षा–12 तक के वीडियो ग्रुप में शेयर किए जाएंगे।

4. शहरी क्षेत्रों में जितने भी नोडल होंगे, उन सभी के नाम गूगल शीट पर डाले जाएंगे, ताकि संपूर्ण व्यवस्था संतुलित रहे।

5. सभी सीबीईओ व्हाट्सएप ग्रुप की सूचना ट्रैकर गूगल शीट में अपडेट करेंगे। जिससे कार्य का पता चल सके।

6. ग्रुप के एडमिन सिर्फ शिक्षक होंगे। विद्यार्थियों को इसमें कोई प्रतिक्रिया करने की अनुमति नहीं है। शिक्षक ही इसमें सिर्फ ई–सामग्री और वीडियों डालेंगे। अन्य कोई मेसेज इसमें नहीं किया जाएगा।

7. वीडियो सुबह 9:00 बजे ग्रुप में डाल दिए जाएंगे।

8. रोज शाम अगले दिन होने वाले कम्पेटेन्सी शेड्यूल भेजे जाएंगे।

9. इस प्रोग्राम में अध्यापकों के लिए भी अलग से वीडियो की सुविधा है।

10. ग्रुप में प्रतिदिन वीडियो शेयर किए जाएंगे। ये वीडियो कक्षा–1 से कक्षा–12 तक के होंगे और एक वीडियो लगभग 30–40 मिनट का होगा।

11. इस प्रोग्राम की समस्त जिम्मेदारी पीइओ या नोडल की होगी।

12. व्हाट्सएप ग्रुप बनाना अनिवार्य है ताकि ई–सामग्री और वीडियो विद्यार्थियों को समय पर

उपलब्ध हो सके।

13. विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए उनके अभिभावकों से भी संपर्क कर सकते हैं।

14. जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट या स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है उन विद्यार्थियों को शिक्षक

उनके घर जाकर पढ़ाएंगे और उन्हें गृहकार्य देंगे।

15. इस प्रोग्राम के अंतर्गत लगभग 20 हजार से अधिक व्हाट्सग्रुप बनाए गए है।

स्माइल प्रोग्राम आपदाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर होने की एक अनूठी पहल है। जिसमें 'डिजिटल इंडिया' के क्षेत्र में देश की वर्तमान एवं भावी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए, नया सीखने के लिए अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही 'स्माइल प्रोग्राम' ने विद्यार्थी व उसके परिवार को भी तनाव मुक्त किया, क्योंकि कोरोना काल में शिक्षा का होने वाला नुकसान विद्यार्थी की भविष्य के लिए एक चिंताजनक पहलू था, जिसका निवारण स्माइल प्रोग्राम के द्वारा किया गया एवं बच्चों के समय का सदुपयोग हुआ। स्माइल प्रोग्राम के द्वारा जो भी शिक्षक डिजिटल टेक्नोलॉजी से अनभिज्ञ थे उन्होंने भी अपने आपको डिजिटल तकनीकी से रूबरू किया। ऐसा लगने लगा कि संपूर्ण समाज ही डिजिटल हो गया है जो कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सपने की पूर्ति के लिए बढ़ने वाला एक कदम हो। स्माइल प्रोग्राम के माध्यम से डिजिटल सुविधा से वंचित विद्यार्थियों को भी स्टडी मैटेरियल बिना रुकावट के घर पहुंचाने में मदद मिली। स्माइल प्रोग्राम के द्वारा शिक्षकों को विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करना, वर्कशीट चेक करना तथा विद्यार्थियों का मूल्यांकन करके उनका परिणाम प्राप्त करना यह सब आसान हो गया।

निष्कर्ष

स्माइल योजना का संचालन कोरोनाकाल में विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़े रखने के लिए चलाया गया। इस स्माइल योजना के द्वारा घर बैठे विद्यार्थी व शिक्षक शिक्षा से निरंतर जुड़े रहें, इसके लिए शिक्षकों द्वारा प्रत्येक कक्षा का व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर समय–समय पर शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाया। सरकार द्वारा शिक्षा की निरन्तरता को बनाए रखने के लिए स्माइल प्रोग्राम आरंभ किया गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

www.bhaskar.com

www.jagran.com

www.gkhub.com

www.livehindustan.com

www.drishtiias.com

www.vikaspedia.in

www.rajteachers.in

www.shalasugam.com

www.govtyojana.com

Corresponding Author

***डॉ सोनू गौड़,** *असिस्टेंट प्रोफेसर*

एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)

****प्रो. वन्दना गोस्वामी,** *डीन, शिक्षा संकाय*

वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान

Email - sonugaur2011@rediffmail.com, Mobile-9314969577